भारत सरकार

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: 194

दिनांक 02 **अगस्त**, 2021

कच्चे तेल के आयात का विविधीकरण

*194 **श्री बी.एन.बचेगौडा**:

श्री भर्तृहरि महताब:

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक** गैस मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार आपूर्ति कम करने की ओपेक प्लस की पहल के उपरान्त तेल शोधनशालाओं (रिफाइनरी) से तेल के आयात का विविधीकरण करने के लिए कहती है;

(ख) ओपेक द्वारा कच्चे तेल का उत्पादन कम किए जाने के उपरान्त पश्चिम पूर्वी देशों से तेल का कितने प्रतिशत आयात हुआ;

(ग) मध्य पूर्व देशों द्वारा तेल की आपूर्ति की वर्तमान स्थिति क्या है; और

(घ) क्या आईओसीएल सहित राज्य तेल शोधनशालाएं/सरकारी क्षेत्र की इकाइयां गुयाना और संयुक्त राज्य अमेरिका से कच्चा तेल खरीद रही हैं तथा उनका विचार रुस के कच्चे तेल के आपूर्तिकर्ताओं के साथ हुए सौदे की समीक्षा करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री

(**श्री हरदीप सिंह पुरी**)

(क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

"कच्चे तेल के आयात का विविधीकरण" के संबंध में श्री बी. एन. बचेगौड़ा और श्री भर्तृहरि महताब द्वारा दिनाँक 02.08.2021 **को पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं**. 194 **के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

(क) कच्चे तेल की आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं एक ही क्षेत्र से कच्चे तेल की निर्भरता का जोखिम कम करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के तेल उपक्रम (पीएसयूज) विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में स्थित देशों जैसे मध्य पूर्व, अफ्रीका, उत्तरी अमेरिका, दक्षिणी अमेरिका आदि से कच्चे तेल की अधिप्राप्ति करते हैं।

(ख) और (ग) वित्त वर्ष 2019-20 के दौरान पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) द्वारा कटौती लागू किए जाने से पहले, तेल पीएसयूज द्वारा मध्य पूर्व के देशों से कच्चे तेल का आयात 69.02% था (128.8 एमएमटी के कुल आयात में से 88.9 मिलियन मीट्रिक टन) था, लेकिन वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान मध्य पूर्व से कच्चे तेल का आयात कम होकर 63.49% हो गया है (110.1 एमएमटी के कुल आयात से 69.9 एमएमटी)। मध्य पूर्व से कच्चे तेल के आयात में इस कमी का मुख्य कारण ओपेक द्वारा मई, 2020 से कच्चे तेल के उत्पादन में की गई कटौती है, क्योंकि ओपेक के सदस्य देश ओपेक प्लस के पारस्परिक सहमति से तय किए गए संशोधित कोटे के अनुसार कच्चे तेल का उत्पादन और खरीदार देश को उसका निर्यात करते हैं।

(घ) तेल पीएसयूज गुयाना और यूएसए से भी कच्चा तेल प्राप्त कर रहे हैं। आईओसीएल ने भी गुयाना से अपना पहला कच्चा तेल कार्गो जुलाई 2021 में खरीदा है और यूएस ग्रेड कच्चे तेल की वैकल्पिक खरीद के लिए यूएसए के साथ आवधिक अनुबंध किया है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने यूरल्स ग्रेड कच्चा तेल प्राप्त करने के लिए रूस की राष्ट्रीय तेल कंपनी रोजनेफ्ट के साथ एक आवधिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं।

****